पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राजभवन सूचना परिसर)

राज्यपाल की अध्यक्षता में छत्रपति शाहूजी महाराज कानपुर विश्वविद्यालय में नौ सत्रों संपन्न हुआ दो दिवसीय शिक्षा मंथन-2023 आयोजन

जैसे सुधार विश्वविद्यालय में कराये जा रहे हैं उसी तर्ज पर महाविद्यालयों में भी सुधार कराये जाएँ।

लखनऊ: 09 जुलाई, 2023

प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने छत्रपति शाहू जी महाराज कानपुर विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय शिक्षा मंथन-2023 के आज 9 जुलाई 2023 को समापन सत्र में सम्बोधित करते हुए आशा व्यक्त की कि देश -प्रदेश से आये विद्वानों के विश्लेषण परक विचार-विमर्श प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त शिक्षण संस्थानों में गणनीय बनाने की दिशा प्रशस्त करेंगें। उन्होंने कहा की ये कार्यशाला उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों को नैक, एन0 आई0 आर0 एफ0, क्यू एस वर्ल्ड रैंकिंग आदि में उत्कृष्ट ग्रेड हासिल करने हेतु अपनी क्षमताओं का संवर्धन करने, गुणवत्ता को बेहतर करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान करने तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू कराने जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों के लिए आयोजित हुई और व्यापक विचार-विमर्श भी हुए। अब इस दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय अपनी व्यवस्थाओं और शिक्षा स्तर को विश्व स्तरीय बनाएं, जिससे प्रदेश के विद्यार्थी शिक्षा के लिए अन्य प्रदेशों , विदेश में पलायन न करें। उन्होंने कहा अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में उत्कृष्टता हासिल होने पर भारत को जो गौरव हासिल होगा उससे विदेशों के विद्यार्थी भी अध्ययन के लिए भारत आने लगेंगे।राज्यपाल ने भारत की युवा शक्ति का जिक्र करते हुए कहा की भारत युवाओं का देश है। पूरा विश्व भारत से आशावान है। इसलिए हमारे विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व करने की क्षमता का विकास करने वाली शिक्षा दें।

विश्वविद्यालयो में शिक्षण व्यवस्था को बेहतर करने की चर्चा को आगे बढ़ाते हुए राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय की सुविधाओं से ग्रामीण स्कूलों को भी जोड़ने, गावों में प्रोजेक्ट चलाने , ग्रामीण विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा क्षेत्रों की जानकारियां देने , उच्च क्षिक्षा को ग्रामीण विकास से

जोड़ने जैसे विषयों पर भी बल दिया। उन्होंने कहा जैसे सुधार विश्वविद्यालय में कराये जा रहे हैं उसी तर्ज पर महाविद्यालयों में भी सुधार कराये जाएँ। महाविद्यालय भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग के लिए गुणवत्ता सुधार करें। जिससे विद्यार्थियों को अपने मूल निवास के समीप ही बेहतर शिक्षा विकल्प प्राप्त हो सकें। उन्होंने विषयगत पुस्तकों की मातृभाषा में उपलब्धता पर जोर देते हुए अनूदित संस्करण विश्वविद्यालय में प्राप्त करने को कहा।

शोध कार्यों की गुणवत्ता पर चर्चा करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि ऐसे शोध और नवाचार कराएं जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उपयोगी हों। उन्होंर ग्रामीण स्तर पर विकास में सहयोगी शोध कार्यों को भी बढ़ावा देने को कहा। राज्यपाल ने तकनीकी और पेशे से जुड़े कोर्स कर रहे विद्याथियों को उनके कार्यक्षेत्र की व्यवहारिक जानकारी देने पर भी जोर देते हुए कहा की इन विद्यार्थियों को उनके वास्तविक कार्यक्षेत्र पर ले जाकर प्रेक्टिकल जानकारी दें जिससे वे शिक्षा पूरी करते ही अपने व्यवसाय से जुड़ सकें।

प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों से आये प्रतिनिधियों को विशेष रूप से संबोधित करते हुए राज्यपाल जी ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग के सभी मानकों का अध्ययन करके अपनी क्षमताओं का विस्तार करने और प्रत्येक रैंकिंग में अपना प्रतिवेदन दाखिल करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कोई भी विश्वविद्यालय दिशा-निर्देश के लिए राजभवन से समन्वय कर सकता है।

राज्यपाल ने नैक में ए प्लस प्लस ग्रेड लाने वाले विश्वविद्यालयों से भी कहा कि वह अपने यहां संचालित गतिविधियों के आधार पर बेस्ट प्रैक्टिस बुक बनाएं और उन्हें सभी विश्वविद्यालयों को भेजें। उसके अनुरूप सभी विश्वविद्यालय भी अपने यहां उन गतिविधियों को शुरू कराएं।राज्यपाल ने बताया कि राष्ट्रीय नई शिक्षा नीति केजी से लेकर पीजी तक में लागू की गई है। आंगनबाड़ी केंद्रों में भी बच्चों के लिए नई शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षा व्यवस्था का प्रावधान किया गया है। उन्होंने आव्हान किया कि विश्वविद्यालय को बेस्ट प्रैक्टिस के तहत विद्यार्थियों को आंगनबाड़ी केंद्रों पर ले जाकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत विविध कार्यों का सम्पादन करा
आज संपन्न हुए इस दो दिवसीय शिक्षा मंथन में कुल नौ सत्रों में देश-विदेश के विश्वविद्यालयों से आये शिक्षाविद प्रतिनिधियों , उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों एवं अन्य अन्य प्रतिनिधियों ने विभिन्न विषयों पर शैक्षिक उत्थान हेतु चर्चा की।विविध सत्रों में विशेषज्ञों द्वारा उच्च शिक्षा के संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 के क्रियान्वयन, नैक मूल्यांकन, नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क, क्यूएस एशिया रैंकिंग, क्यूएस ग्लोबल रैंकिंग, मातृभाषा में पुस्तक निर्माण, अनुवाद, परीक्षा सुधार जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम में प्रदेश भर के विश्वविद्यालयों के कुलपति, शिक्षण संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल रहें। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, प्राविधिक शिक्षा मंत्री , राज्य मंत्री उच्च शिक्षा विभाग रजनी तिवारी, अपर मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ0 सुधीर एम बोबडे, विशेष कार्यधिकारी शिक्षा प्रो. पंकज एल जानी तथा विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य शिक्षाविद मौजूद रहे .

डॉ0 सीमा गुप्ता
सूचना अधिकारी, राजभवन
संपर्क सूत्र: 8318116361